उसने हिम्मत से काम लेकर वही किया जो सही था

निर्देश: यह अभ्यास किसी शांत जगह पर कीजिए। आयतें पढ़ते वक्त सोचिए कि आप वह घटना होते हुए देख रहे हैं। उस घटना को अपने मन की आँखों से देखिए। किरदारों की बातचीत सुनिए। सोचिए कि उनके मन में क्या चल रहा है। इस तरह घटना की मन में जीती-जागती तसवीर बनाइए।
मुख्य किरदार: बारूक, यिर्मयाह और यहूदा के हाकिम
सारांश: बारूक यिर्मयाह की बतायी बातें शब्द-ब-शब्द लिखता है और उन्हें यहूदा के हाकिमों को पढ़कर सुनाता है।

1 इस घटना के बारे में सोचिए। —यिर्मयाह 36:4-32 पढ़िए।

सोचिए कि 'राज-सचिव का कमरा जहाँ सारे हाकिम बैठे हुए थे,' कैसा दिखता होगा।

जब बारूक हाकिमों को यिर्मयाह की बातें पढ़कर सुना रहा था, तब बारूक को कैसा लग रहा होगा?

हाकिमों ने बारूक से कैसे या किस लहज़े में बात की होगी? (*आयत 16-19 दोबारा पढ़िए।*)

2 थोड़ी खोजबीन कीजिए।

यिर्मयाह की बातें "खर्रे" में लिखना बारूक के लिए क्यों बहुत मुश्किल रहा होगा, वह भी एक बार नहीं, बल्कि दो बार? (सुराग: *यिर्मयाह 36:4, 32 दोबारा पढ़िए।*)

बारूक यिर्मयाह की भविष्यवाणी लिखने और उसे लोगों के सामने पढ़ने से क्यों हिचकिचाया होगा? (यिर्मयाह 26:8 पढ़िए।)

यिर्मयाह ने कई सालों तक लोगों को भविष्यवाणी सुनायी थी, फिर भी वह क्यों चाहता था कि बारूक लोगों को उसकी भविष्यवाणी पढ़कर सुनाए? (सुराग: *यिर्मयाह 36:7 दोबारा पढ़िए।*)

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 सीखी बातों पर चलिए।

लिखिए कि आपने इस बारे में क्या सीखा . . .

परमेश्वर के सेवकों को क्यों हिम्मत से काम लेना पड़ता है?

जो लोग हिम्मत से काम लेकर वही करते हैं, जो सही है, उन्हें यहोवा कैसे इनाम देता है?

4 खुद से पूछिए।

मुझे किन हालात में सही काम करने के लिए हिम्मत से काम लेना होता है?

जब मुझे सही काम करने में डर लगता या झिझक होती है, तो मैं कैसे हिम्मत पा सकता हूँ? (फिलिप्पियों 4:6, 7 पढ़िए।)

इस पूरी घटना से मैंने कौन-सी अहम बात सीखी और क्यों?

सुझाव: इस पूरी घटना को समाचार की खबर बनाइए और इसे दूसरों को सुनाइए। मुख्य किरदारों और उन लोगों का इंटरव्यू भी लीजिए, जो वहाँ मौजूद थे।

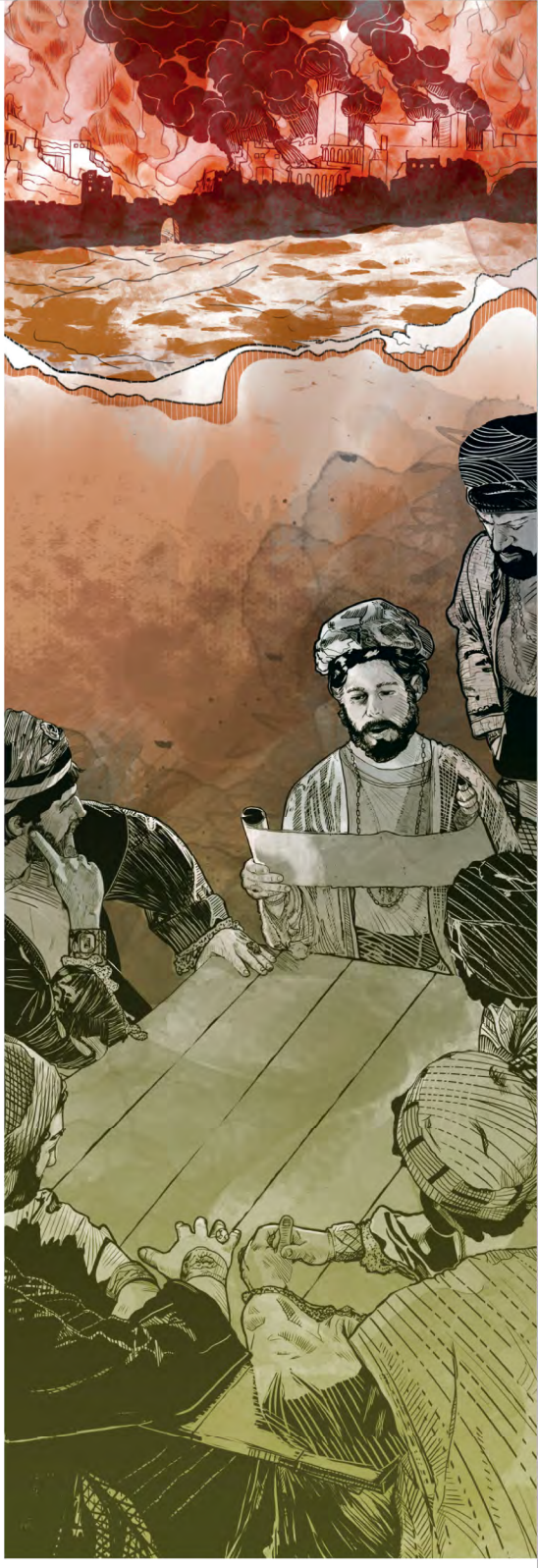

JW.ORG™
www.jw.org से यह पीडीएफ डाउनलोड करके प्रिंट कीजिए

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania